भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 1239
सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

श्रावस्ती-बलरामपुर जिले में पर्यटन का विकास

1239. श्री रामशिरोमणि वर्मा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास वर्तमान और भविष्य में उत्तर प्रदेश के पर्यटक की रूचि वाले स्थानों के विकास के लिए कोई खाका है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने चालू वर्ष के दौरान श्रावस्ती-बलरामपुर जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई समिति या सर्वेक्षण समूह का गठन किया है;

(घ) यदि हां, तो पर्यटक की पसंद वाले पुराने स्थानों की मौजूदा स्थिति सहित ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय अपनी ''स्वदेश दर्शन'', ''तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)'' तथा ''पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता'' योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश सहित देश में पर्यटन विकास को गति देने के लिए पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है ।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) में परिवर्तित किया है । एसडी 2.0 के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में 'प्रयागराज' और 'नैमिषारण्य' को विकास के लिए चिह्नित किया गया है ।

स्वदेश दर्शन 1.0, प्रशाद और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है ।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश राज्य के पर्यटन विभाग ने सूचित किया है कि उनकी पर्यटन नीति-2022 में पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण और पर्यटन क्षमता वाले स्थलों और क्षेत्रों को चिह्नित करने के लिए विज़न, मार्गदर्शी सिद्धांत, मिशन, उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं । इस संबंध में उनकी नीति में विभिन्न परिपथों के अंतर्गत आने वाले महत्वपूर्ण पर्यटक गंतव्यों सहित 12 पर्यटन परिपथों को परिभाषित किया गया है । इसके अलावा, उपरोक्त नीति में पर्यटन के क्षेत्र में राज्य के समावेशी और स्थायी विकास हेतु विभिन्न नवाचार पर्यटन कार्यकलापों को भी चिह्नित किया गया है जैसे-थीमेटिक क्षेत्र, आध्यात्मिक/ धार्मिक, इको-पर्यटन, प्रकृति, वन्यजीव, निरोगता और चिकित्सा पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, एमआईसीई कार्यकलाप, जल आधारित कार्यकलाप, ग्रामीण/गांव/जनजातीय पर्यटन, क्यूज़ीन पर्यटन, विवाह गंतव्य पर्यटन, यूथ (युवा) पर्यटन आदि, जिसमें निजी क्षेत्रों का संवर्धन और प्रोत्साहन करने, अधिक त्वरित निजी क्षेत्र

भागीदारी को प्रोत्साहित करने, परिसंपत्तियों के सृजन में सहायता करने, पर्यटन सेवा प्रदाताओं का क्षमता निर्माण, समग्र, जिम्मेदार और स्थायी इको-पद्धति को प्रोत्साहित करने के लिए प्रावधान किया गया है ।

(ग) : पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य ने सूचित किया है कि उन्होंने श्रावस्ती और बलरामपुर जिले में पर्यटन का संवर्धन करने के लिए किसी भी समिति या सर्वेक्षण समूह का गठन नहीं किया है ।

(घ) : प्रश्न नहीं उठता ।

(ड.) : उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने सूचित किया है कि उन्होंने पर्यटन क्षमता के पहलुओं का पता लगाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य में जिला स्तर पर 'जिला पर्यटन और संस्कृति परिषद' का गठन किया है । इस संबंध में प्राथमिकता के आधार पर और बजट की उपलब्धता के अनुसार श्रावस्ती और बलरामपुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पर्यटन अवसंरचना/मूलभूत सुविधाएं उपलब्धता/उन्नयन के लिए परियोजनाओं को चिह्नित किया है ।

*****

अनुबंध

श्री रामशिरोमणि वर्मा द्वारा श्रावस्ती-बलरामपुर जिले में पर्यटन का विकास के संबंध में दिनांक 11.12.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 1239 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना (**करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	**राज्य**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89
2.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45
3.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	शाहजहाँपुर - बस्ती - अहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी - प्रतापगढ़ - उन्नाव - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर- कैराना -डोमरियागंज - बागपत - बाराबंकी - आजमगढ़ का विकास	71.91
4.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर -घोसी-बलिया-अंबेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली- मिशरिख - भदोही का विकास	67.51
5.	उत्तर प्रदेश	विरासत परिपथ 2016-17	कालिंजर किला (बांदा) - मगहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - मवाहर स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	33.92
6.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21
7.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास	12.03
8.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशिनी मंदिर (डोमरियागंज) का विकास	18.30
9.	यूपी और बिहार	मार्गस्थ सुविधाएं 2018-19	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी - गया; कुशीनगर - गया - कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	15.07

प्रशाद योजना **(करोड़ रु. में)**

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**
1.	उत्तर प्रदेश	मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास (चरण -II)	2014-15	10.98
2.	उत्तर	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36

	प्रदेश			
3.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी का विकास - चरण -I	2015-16	18.72
4.	उत्तर प्रदेश	गंगा, वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन	2017-18	9.02
5.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी का विकास चरण -II	2017-18	44.60
6.	उत्तर प्रदेश	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	39.74

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**वर्ष**	**केंद्रीय एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**
1.	उत्तर प्रदेश	रेल मंत्रालय के सहयोग से आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर पर्यटक सुविधाओं का संयुक्त विकास	2013-14	रेल मंत्रालय	5.05
2.	उत्तर प्रदेश	रेल मंत्रालय के सहयोग से रायबरेली रेलवे स्टेशन पर पर्यटक सुविधाओं का संयुक्त विकास	2013-14	रेल मंत्रालय	4.44
3.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकन का मकबरा और बनारस में मान महल)	2014-15	आईटीडीसी	5.12
4.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था : 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगा घाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	2017-18	सीपीडब्ल्यूडी	2.94

*****